>

Title: Need to ensure remunerative prices to the paddy growers in Chhattisgarh. – Laid.

डॉ0 चरणदास महंत (जांजगीर) : महोदय, छत्तीसगढ़ की 80 प्रतिशत जनता, जिनकी प्रमुख फसल धान है, कृाि पर आधारित है। इस वर्ा उत्पादन बहुत अच्छा होने के बावजूद भी पिछले वर्ा सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 550 रूपए एवं 580 रूपए प्रति क्विंटल का भाव भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है। किसान मजबूर होकर अपनी फसल 50 रूपसे 75 रूपए कम कीमत पर बेच रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा दावा किया जा रहा है कि 8 लाख टन धान खरीदे जा चुके हैं। अनुमान के अनुसार इस वर्ा 25 लाख टन धान खरीदी की व्यवस्था होना अनिवार्य है। परन्तु प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक नए खरीदी के लिए धान का समर्थन मूल्य घोाित नहीं किया गया है बल्कि व्यापारी वर्ग को लाभ पहुंचाने की दृटि से धान के मिलिंग की शुरूआत करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। छतीसगढ़ के किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसान मायूस और निराश हो रहे हैं।

मेरी भारत सरकार से मांग है कि कृाकों के हित में शीघ्र धान का समर्थन मूल्य जारी कर खरीदी की व्यवस्था करें तथा पड़ोसी राज्य से आने वाली धान पर तत्काल प्र ाितिबंध लगाएं।